MULA - II (2008 Course) : WINTER - 2016

Subject : Hindi (S-1)

Day : Monday
Date : 10/10/2016

S.D.E. 31964

Time : 11.00 AM TO 02.00 PM
Max Marks : 80 Total Pages : 1

सूचना:

१) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
२) दोनों विभाग एकही उत्तरपत्रिका में लिखिए।
३) दाहिने दिए हुए अंक प्रश्नों के गुण दर्शाते है।

विभाग-१

प्र.१ निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए। (१६)

अ) हिंदी साहित्य के काल विभाजन पर प्रकाश डालिए।
ब) आदिकालीन साहत्य के नामकरण पर चर्चा कीजिए।
क) आदिकालीन रासो काव्य का परिचय दीजिए।
ड) आदिकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास संक्षिप्त में विशद कीजिए।

प्र.२ टिप्पणी लिखिए। (कोई **चार**) (१६)

अ) प्राकृत साहित्य का आदिकाल पर प्रभाव
ब) अदिकालीन परिवेश
क) भक्ति साहित्य का स्वरूप
ड) भक्ति आंदोलन की सगुण धारा
इ) भक्तिकाल में वर्ण-व्यवस्था
फ) भक्त कवियों की काव्यभाषा

विभाग-२

प्र.३ निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए। (१६)

अ) भक्ति आंदोलन की तत्त्वदृष्टि को विशद कीजिए।
ब) भक्तिकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास संक्षिप्त में स्पष्ट कीजिए।
क) भक्ति की सगुण-निर्गुण अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
ड) भक्ति के दार्शनिक चिंतन में जीव और जगत् को विशद कीजिए।

प्र.४ निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए। (१६)

अ) रीतिकाल का सामान्य परिचय दीजिए।
ब) रीतिकाव्य के सामाजिक आधार को स्पष्ट कीजिए।
क) रीतिकाव्य के स्त्रोत 'शास्त्र' और 'लोक' को विशद कीजिए।
ड) रीतिकाल की श्रृंगार-भावना का विवेचन कीजिए।

प्र.५ टिप्पणी लिखिए। (कोई **चार**) (१६)

अ) भक्तिकालीन चिंतन: ब्रह्म
ब) भक्तिकाल: सामाजिक दृष्टि
क) भक्तिकालीन साहित्य का इतिहास
ड) रीति की अवधारणा
इ) रीतिकाव्य की राजनीतिक पृष्ठभूमि
फ) रीतिकाव्य के स्त्रोत: ज्योतिष

* * *